तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 5 सितंबर 2025
कैथल

11 गुरु का हमारे जीवन में विशेष महत्व : हरविंद्र कल्याण

11 सीवन बना गड्ढों का शहर, चालक परेशान

एसडीएम ने किया घग्गर पार के गांवों का दौरा

घग्गर का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंचा, जिला प्रशासन मुस्तैद

किसानों व हलकावासियों की बढ़ी परेशानी

जल निकासी को लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गुहला-चीका

पहाडी क्षेत्र में लगातार चल रही बरसात के कारण वीरवार को घग्गर का जलस्तर खतरे के निशान 23 फीट तक पहुंच गया है। इसमें 48 हजार 534 क्यूसिक पानी बह रहा है। अभी स्थिति सामान्य है। घग्गर का जल स्तर बढ़ने से पानी गांव की आबादी में नहीं पहुंचा है, जिससे कोई भी गांव प्रभावित नहीं हुआ है। अभी तक कुछ गांवों के खेतों में पानी पहुंचा है। पपराला गांव में स्थित तीन डेरों को गांव में शिफ्ट किया गया है।

एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह वीरवार को संभावित बाढ़ से प्रभावित होने वाले गांवों का दौरा करने के दौरान जानकारी दे रहे थे। उन्होंने रत्ताखेड़ा कड़ाम, सुगलपुर, बुढ़नपुर, सिहाली, पपराला, कसौली, बौपुर, कमहेड़ी, अरनौली, डंडौता आदि गांवों का दौरा किया और स्थिति का मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान कमहेड़ी व बौपुर के बीच मीरापुर ड्रेन में जल खुंभी की समस्या को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलखुंभी को ड्रेन से बाहर निकालें, ताकि पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके। उन्होंने मौके पर किसानों की समस्याओं को भी सुना और समाधान करने के लिए अधिकारियों को निर्देश जारी किए।

गुहला-चीका। एसडीएम प्रमेश सिंह घग्गर का दौरा करते। फोटो :हरिभूमि

एसडीएम ने कहा कि खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी सरपंचों के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए है। ग्राम सचिव, पटवारी व अन्य कर्मचारी गांवों में सही से अपनी-अपनी ड्यूटी देकर जानकारी प्रशासन तक पहुंचा रहे है। एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह वीरवार को संभावित बाढ़ से प्रभावित होने वाले गांवों का दौरा करने के दौरान जानकारी दे रहे थे।उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग के अधिकारी निरंतर घग्गर के क्षेत्रों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं, कहीं से भी यदि ग्रामीणों की मांग आती हैं, उसे तुरंत पूरा किया जा रहा है। सिंचाई विभाग की विभिन्न मशीनें मौके पर तैनात हैं। तटबंध कमजोर होने की सूचना मिलते ही तुरंत मशीनें मौके पर पहुंच जाएगी और उस तटबंध को मजबूत किया जाएगा। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा जहां पर जरूरत है, वहां पर पेयजल व्यवस्था की जा रही है। मोहनपुर गांव में जरूरत पड़ने पर पानी का टैंकर पहुंचाया गया।

हेल्पलाइन नंबर जारी

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांवों में ओपीडी, ओटी टेस्ट, क्लोजर पंप क्लोरीन मात्रा चेकअप, घर-घर ओआरएस के पैकेटों का वितरण तथा फीवर सर्वे किया जा रहा है। एंबुलेंस व्यवस्था 24 घंटे के लिए गुहला क्षेत्र में तैनात है और इसके लिए व्यक्ति डायल 112 पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा प्रशासन द्वारा जिला स्तर पर तथा उपमंडल स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए हैं। आमजन हेल्पलाइन नंबर 01746-234528 तथा 01743221555 पर इमरजेंसी हालातों में संपर्क कर सकते हैं। इस मौके पर नायब तहसीलदार बंसी लाल, प्रवीण कुमार कानूनगो व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कैथल। एसपी आस्था मोदी घग्गर नदी का निरीक्षण करते।

घबराएं नहीं, प्रशासन हर समय सुरक्षा व सहायता को तैयार

कैथल। लगातार बारिश व घग्गर के जलस्तर को देखते हुए कैथल जिला पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने वीरवार को गुहला-चीका क्षेत्र मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने घग्गर नदी के कई स्थानों पर जलस्तर की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान एसपी ने ग्रामीणों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी और उन्हें आश्वस्त किया कि पुलिस व प्रशासन हर संभव मदद उपलब्ध करवा रहा है। एसपी आस्था मोदी ने कहा कि हरियाणा पुलिस हमेशा सुरक्षा व सहयोग के लिए तैयार है। आवश्यक पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके। उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय है और किसी भी समस्या के लिए लोग सीधे संपर्क कर सकते हैं।

पढ़ने, वाद-विवाद के माध्यम से शिक्षण

लेवलफील्ड स्कूल, पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के हुस्नाबाद गांव में स्थित लेवलफील्ड स्कूल की स्थापना

भारतीय शिक्षा प्रणाली के पारंपरिक तरीकों से अलग कुछ अनोखे ढंग से छात्रों को शिक्षित करने के उद्देश्य से की गई है। यह स्कूल रटने या पाठ्य पुस्तक-आधारित शिक्षा पर ही केंद्रित रहने के बजाय पढ़ने, चर्चा करने, वाद-विवाद और मल्टीमीडिया तकनीक के इस्तेमाल पर जोर देता है। चाहे अंग्रेजी हो, गणित हो या कोई और विषय, सीखने के लिए पहेलियों, एप्स और खेलों का उपयोग किया जाता है। इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे छोटी उम्र से ही एनिमल फार्म, गुलिवर्स ट्रैवल्स और मैकबेथ जैसी क्लासिक किताबें पढ़ते हैं, इन पर चर्चा करते हैं। उन्हें महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित फिल्में भी दिखाई जाती हैं। इस स्कूल के संस्थापक अर्घ्य बनर्जी बताते हैं, 'इस तरह की एक्टिविटीज का उद्देश्य चीजों को जीवंत बनाना और उन्हें आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करना है।' *

लीक से हटकर / शिखर चंद जैन

बच्चो, अपने देश में सामान्य स्कूलों से हटकर कुछ ऐसे स्कूल हैं, जहां बच्चों को शिक्षा बहुत अलग ढंग से दी जाती है। इन स्कूलों में बच्चे सिर्फ किताबी शिक्षा नहीं पाते, वे प्रकृति से जुड़कर और अन्य माध्यमों से व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं, रचनात्मक बनते हैं। साथ ही शिक्षा एक आनंद के साथ ग्रहण करते हैं। जानो, ऐसे ही कुछ अनोखे स्कूलों के बारे में।

ये अनोखे स्कूल

नॉलेज के साथ एंज्वॉय कराती स्टडी

द यलो ट्रेन स्कूल, तमिलनाडु

तमिलनाडु में कोयंबटूर के शांत और हरे-भरे क्षेत्र में स्थित द यलो ट्रेन स्कूल बच्चों को बहुत ही प्रेरणादायक और शांतिपूर्ण माहौल प्रदान करता है। स्कूल कैंपस को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह बच्चों को रचनात्मकता और उनकी स्वतंत्रता के लिए प्रोत्साहित करता है। खेतों में घूमना, वन्यजीवों के बारे में सीखना, वाद्ययंत्र बजाना, गलियारों में टायर पर झूलना, मिट्टी के बर्तन बनाना जैसे कई इंटरेस्टिंग एक्टिविटीज में बच्चे शामिल होते हैं।

यहां के टीचर्स अपने स्टूडेंट्स से दोस्तों की तरह व्यवहार करते हैं। इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे नॉलेज गेन करने के साथ-साथ खूब एंज्वॉय भी करते हैं। यहां पाठ्य पुस्तकों, कोर्स की तैयारी के साथ-साथ बच्चों के ओवरऑल पर्सनालिटी डेवलपमेंट पर भी ध्यान दिया जाता है। *

झील पर तैरता हुआ प्राथमिक विद्यालय

लोकटक लेक स्कूल, मणिपुर

अजीब-सी बात लग सकती है, पानी में तैरता हुआ स्कूल! लेकिन यह सच है।

मणिपुर राज्य का लोकटक लेक स्कूल, ऐसा ही एक अनोखा स्कूल है, जो पानी पर तैरता है। यह भारत का पहला तैरता हुआ प्राथमिक विद्यालय है, जो लोकटक झील के ऊपर फुमदी (पानी में तैरते हुए वनस्पति के बड़े-बड़े टुकड़े) पर बना है। इस स्कूल को केवल दो शिक्षकों द्वारा चलाया जा रहा है। इस स्कूल में वे स्थानीय बच्चे पढ़ते हैं, जो झील के किनारे रहते हैं। स्थानीय लोग और छात्र पर्यावरण-अनुकूल (ईको-फ्रेंडली) तरीकों को अपनाते हैं, जैसे सौर पैनल और वर्षा जल संचयन, ताकि झील के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखा जा सके। इस अनोखे स्कूल की शुरुआत ऑल लोकटक लेक एरियाज फिशरमैन यूनियन, मणिपुर (ALLAFUM) और पीपल रिसोर्सेज डेवलपमेंट एसोसिएशन ने मिलकर की है। *

मध्य हिमालय का पहला पर्यावरण स्कूल

चिराग स्कूल, उत्तराखंड

उत्तराखंड के नैनीताल जिले के सिमायल गांव के निकट ओडाखान में स्थित चिराग स्कूल की स्थापना 2006 में हुई थी। यह आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए एक हिंदी माध्यम का स्कूल है। यह स्कूल 'चिराग' नामक एनजीओ द्वारा संचालित किया जाता है। शिक्षा शास्त्री कनाई लाल ने हिमालय की गोद में इस स्कूल की शुरुआत की थी। उनका लक्ष्य बच्चों को मिट्टी के घरों से लेकर माइक्रोचिप्स तक, हर चीज की एक अनूठे अंदाज में समग्र समझ प्रदान करना था। यह स्कूल मध्य हिमालय का पहला पर्यावरण स्कूल है। इस अनोखे स्कूल का डिजाइन आस-पास के तीन गांवों के निवासियों, शिक्षकों और युवाओं की भागीदारी के माध्यम से विकसित हुआ है। *

दोनों हाथों से लिखने का प्रशिक्षण

वीणा वादिनी पब्लिक स्कूल, मध्य प्रदेश

बच्चो, तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि अपने देश में एक स्कूल ऐसा भी है, जहां पढ़ने वाले बच्चे एक नहीं, दोनों हाथों से लिखते हैं। इससे भी बड़ी हैरानी की बात यह है कि ये बच्चे दोनों हाथों से एक साथ अलग-अलग भाषाओं में लिखते हैं। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से 15 किलोमीटर दूर बुधेला नामक स्थान पर वीणा वादिनी पब्लिक स्कूल के 100 से ज्यादा विद्यार्थी दोनों हाथों से लिखने की कला में माहिर हैं। इस स्कूल की शुरुआत 1999 में की गई थी। इस स्कूल को विरंगत शर्मा ने शुरू किया था। वह बताते हैं, 'मुझे यह सीख देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद से मिली। यहां छात्रों को पहली कक्षा से ही दोनों हाथों से लिखने का प्रशिक्षण दिया जाता है, उन्हें छह अलग-अलग भाषाएं भी सिखाई जाती हैं।' *

प्रतिभा / अंजू जैन

असाधारण मेधा शक्ति वाले नन्हे शिक्षक

बच्चो, तुम्हारी ही उम्र के कई ऐसे बच्चे हैं, जिनका ज्ञान देखकर आश्चर्य होता है। अपने विषय की गहन जानकारी रखने वाले ये प्रतिभावान और ज्ञानी बच्चे किसी शिक्षक से कम नहीं हैं। मिलो, ऐसे ही प्रतिभावान तीन बच्चों से।

अवि शर्मा: बालमुखी रामायण का रचयिता और वैदिक गणित का ज्ञाता

इंदौर, मध्य प्रदेश के अवि शर्मा ने सन 2022 में मात्र 12 वर्ष की आयु में हिंदी में 'बालमुखी रामायण' लिखी। अवि द्वारा लिखे गए इस ग्रंथ में 250 छंदों के साथ रामायण की प्रमुख घटनाओं को संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है। अवि वैदिक गणित के सबसे युवा प्रशिक्षकों में से भी एक है। उसने करीब 150 छात्रों को वैदिक गणित सिखाया है। इन सबके अलावा अवि ने एक आवाज-संचालित कंप्यूटर प्रोग्राम 'माधव' (माय एडवांस्ड डोमेस्टिक हैंडलिंग एआई वर्जन) विकसित किया है, जो विभिन्न भाषाओं में काम करता है। इसे बनाने में अवि को मात्र दो सप्ताह का समय लगा था। 2022 में अवि को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस दौरान उसने वर्चुअल रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत की और उन्हें गीता के श्लोक सुनाए। साल 2023 में, इंदौर गौरव दिवस पर मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी अवि शर्मा को सम्मानित किया था। *

कृतिन गुप्ता : पढ़ा रहा आईआईटी लेवल की मैथमेटिक्स

दिल्ली का रहने वाला कृतिन गुप्ता अपनी उम्र से कहीं आगे की बुद्धि रखता है। वह छोटी उम्र से ही गणित में रुचि लेने लगा था। जब कृतिन दस वर्ष का था, तभी से वह स्टूडेंट्स को आईआईटी लेवल का गणित पढ़ाने लगा था। विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में अपनी उम्र से काफी बड़े छात्रों को गणित पढ़ाने के कारण कृतिन को 'ग्रैंड मास्टर' के नाम से भी जाना जाता है। कृतिन बीते पांच वर्षों से स्कूल ही नहीं, कॉलेज के स्टूडेंट्स को भी गणित पढ़ा रहा है। कृतिन का नाम एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। *

कौटिल्य पंडित: जनरल नॉलेज का मास्टर

हरियाणा के करनाल जिले के कोहंड गांव में जन्मा कौटिल्य पंडित मात्र 5 वर्ष की आयु में ही विश्व के प्रत्येक देश की सीमाओं, क्षेत्रों और अन्य विवरणों को मौखिक रूप से याद कर चुका था। साथ ही सौरमंडल के प्रत्येक ग्रह और उपग्रह के नाम और आकार भी उसे जुबानी याद थे। इसके अलावा गणित, करेंट टॉपिक्स, इतिहास, सामान्य ज्ञान सहित अनेक विषयों पर भी कम उम्र में ही उसकी अच्छी पकड़ थी। उसकी असाधारण बुद्धि और विलक्षण ज्ञान के कारण लोग उसे 'गूगल ब्वॉय' के नाम से बुलाने लगे थे। कौटिल्य समय-समय पर विशेष वर्कशॉप में बच्चों को पढ़ाता भी है। जनवरी 2020 में गूगल ब्वॉय कौटिल्य ने चाइल्ड प्रोडिजी पुरस्कार जीता। अब 17 साल के हो चुके कौटिल्य पंडित का चयन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, लंदन में मास्टर ऑफ फिजिक्स कोर्स के लिए हुआ है। इसके लिए कौटिल्य को 25 लाख की स्कॉलरशिप भी मिली है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

समझदार बनाती कहानियां

बच्चो, कुछ ही समय पहले बाल कहानियों की एक किताब आई है, जिसका नाम है- गूंगी गुड़िया। इसमें कुल बारह कहानियां हैं।

ये ऐसी कहानियां हैं, जिन्हें पढ़कर तुमको बहुत कुछ जानने को मिलेगा। यही नहीं ये सारी कहानियां तुमको समझदार भी बनाएंगी। पहली कहानी 'गूंगी गुड़िया' में तुम पढ़ोगे कि चिंकी किस तरह से मेले में खो जाती है और अपराधियों के चंगुल में फंसने के बाद भी हिम्मत नहीं हारती। फिर समझदारी और बहादुरी से बच निकलती है। 'सच्चे संगी साथी' में तुम पढ़ोगे कि किस तरह मुश्किल समय में आदित्य के दोस्त उसकी मदद करते हैं? कुछ बच्चे स्मार्टफोन पर गेम्स खेलते रहते हैं या उनको फोन से फोटो क्लिक करने में बड़ा मजा आता है। लेकिन ऐसा करने के चक्कर में लापरवाही बरतना किस तरह खतरनाक हो सकता है, इसे तुम 'लाइक, कमेंट का चक्कर' कहानी में पढ़ सकते हो। इनके अलावा 'रोटी के बदले समोसे', 'काल करे सो आज कर' और 'जब तान्या शर्मिंदा हुई' कहानियों में भी तुम्हें अच्छी सीख मिलेगी। किताब की अन्य कहानियां भी बहुत अच्छी हैं। *

किताब : गूंगी गुड़िया (बाल कहानी संग्रह), **लेखिका :** इंदिरा त्रिवेदी,
मूल्य : 200 रुपए, **प्रकाशक :** भव्या पब्लिकेशन, भोपाल

कहानी

पूर्ति खरे

रविवार की एक दोपहर रैना अपनी सहेली रिद्धि के साथ बरामदे में टीचर-टीचर वाला खेल, खेल रही थी। वहीं बरामदे में दूसरी ओर कुर्सी पर रैना के दादा जी अखबार पढ़ रहे थे। वे बीच-बीच में उनका खेल बड़े ध्यान से देख रहे थे। इस खेल में रैना टीचर थी, उसकी सहेली रिद्धि स्टूडेंट। टीचर बनी रैना अपने दादा जी का पुराना टूटा हुआ चश्मा पहन कर मैडम वाले अंदाज में सवाल पूछ रही थी, 'रिद्धि बताओ, शिक्षक दिवस किस तारीख को मनाया जाता है?'

'नहीं पता! वैसे भी शिक्षक दिवस है तो शिक्षकों को ही पता होगा, मुझे इससे क्या मतलब, मैं तो स्टूडेंट हूं।' रिद्धि सवाल का मजाक बनाती हुई बोली।

रैना ने पहले प्रश्न का उत्तर देते हुए दूसरा प्रश्न पूछा, 'पांच सितंबर को मनाया जाता है शिक्षक दिवस। अच्छा! चलो यह बताओ कि यह दिवस क्यों मनाया जाता है?'

रैना के सवाल पर रिद्धि फिर हंसती हुई बोली, 'फालतू में मनाया जाता है, क्योंकि शिक्षक करते ही क्या हैं, सिवाय पढ़ाने और डांटने के।'

रिद्धि बहुत शरारती बच्ची थी, दूसरों की हंसी उड़ाना उसकी आदत थी। उधर टीचर का परिहास होता देख दादा जी को बहुत गुस्सा आया, उन्होंने मन ही मन में तय किया कि वे रिद्धि को उसकी गलती का एहसास कराएंगे। दादा जी भी दोनों बच्चियों के इस टीचर-टीचर वाले खेल में शामिल हो गए, बोले, 'रिद्धि, तुम लोगों का खेल तो बड़ा अनोखा है। अब ऐसा करो, मैं और रैना स्टूडेंड बनते हैं और तुम टीचर बन जाओ।'

दादा जी को स्टूडेंड बनता देख रिद्धि टीचर बनने को तुरंत राजी हो गई। अब रिद्धि ने दादा जी का पुराना चश्मा पहना और

रैना अपनी सहेली रिद्धि के साथ टीचर-टीचर खेल रही थी। रैना टीचर बनी थी रिद्धि स्टूडेंट। रैना के एक सवाल के जवाब में रिद्धि ने कह दिया, 'शिक्षक करते ही क्या हैं, सिवाय पढ़ाने और डांटने के।' यह बात वहां बैठे रैना के दादा जी ने सुन ली। उन्होंने रिद्धि को खेल-खेल में ऐसा सबक सिखाया कि उसे अपने कहे पर बहुत पछतावा हुआ।

खेल टीचर-टीचर का

टीचर के अंदाज में बोली, 'चलो! सब अपनी-अपनी ड्रॉइंग कॉपी निकाल कर शेर का चित्र बनाओ।'

दादा जी और रैना चित्र बनाने लगे। दादा जी ने शेर की जगह लोमड़ी का चित्र बना दिया। रिद्धि उनका चित्र देखकर बोली, 'यह तो लोमड़ी का चित्र है, मैंने शेर बनाने को कहा था। इसे मिटाकर फिर बनाओ।' लेकिन दादा जी ने नहीं सुनी, वह लगातार अलग-अलग जानवरों के चित्र बनाते रहे लेकिन शेर का चित्र उन्होंने नहीं बनाया। रिद्धि यह देखकर सिर पर हाथ रख कर बैठ गई। दादा जी बोले, 'रिद्धि टीचर! मुझे शेर बनाना नहीं आता, प्लीज आप बताओ ना कि कैसे बनाते हैं शेर?' रिद्धि को शेर बनाना नहीं आता था, इसलिए वह बात को टालते हुए बोली, 'ऐसा करो फूल बना दो।'

'पर मुझे फूल बनाना भी नहीं आता टीचर!' दादा जी बच्चे जैसे अंदाज में बोले।

रिद्धि खीझ कर बोली, 'तो ऐसा करो, कुछ मत करो, बस मुंह पर चुपचाप अंगुली रख कर बैठ जाओ।'

दादा जी कहां मानने वाले थे, उन्होंने बच्चों की तरह गुस्सा कर अपनी और रैना की कॉपी फाड़ दी और जोर-जोर से रोने लगे। रिद्धि उन्हें चुप करा-करा कर थक गई, पर वे चुप नहीं हुए। थक-हार कर वह बोली, 'मुझे नहीं बनना कोई टीचर-टीचर, यह मेरे बस का काम नहीं है। ऐसे शैतान बच्चे को मैं नहीं पढ़ा सकती।'

रिद्धि की बात पर दादा जी नॉर्मल होकर बोले, 'क्यों अब समझ आया कि शिक्षक बनना कितना मुश्किल है? जरा-सी देर तुम एक शैतान बच्चे को नहीं संभाल पाईं। सोचो शिक्षक तो रोज ऐसे कई बच्चों को अकेले संभालते हैं। जब मुझसे शेर का चित्र नहीं बना तो तुमने इस बात को टाल दिया पर शिक्षक ऐसे बातों को टालते नहीं हैं। वे अपने विद्यार्थी के हर सवाल का हल बताते हैं, उसकी हर जिज्ञासा को शांत करते हैं।'

रिद्धि, दादा जी का सबक समझ गई थी। वह शर्मिंदा होकर चेहरे को लटका कर खड़ी थी। दादा जी आगे बोले, 'तुम अभी कह रही थीं कि शिक्षक डांटने और पढ़ाने के सिवाय करते ही क्या हैं? तो सुनो कि शिक्षक क्या करते हैं और क्या होते हैं?' एक शिक्षक की भूमिका कितनी बड़ी होती है, दादा जी ने रिद्धि को विस्तार से बताया, 'जो हमें ज्ञान का पाठ पढ़ा कर जीवन को सही ढंग से जीना सिखाते हैं, वे होते हैं शिक्षक। जो सही-गलत के बीच का भेद बताते हैं, वे होते हैं शिक्षक। अरुचि को रुचि में, आलस्य को ऊर्जा में, अंधकार को प्रकाश में, मूर्खता को विवेक में, कमजोरी को शक्ति में बदल देने वाला यदि कोई है तो वह शिक्षक है।'

अपने बर्ताव पर रिद्धि को बहुत शर्मिंदगी महसूस हुई, वह बोली, 'दादा जी! माफ करें, अब से मैं हर शिक्षक का सम्मान करूंगी। सदा उनके बताए गए मार्ग पर चलूंगी।'

दादा जी उसके सिर पर हाथ फेरते हुए बोले, 'बात केवल सम्मान की नहीं है रिद्धि बेटा! बात है शिक्षक के महत्व को समझने की। तुम्हारे शिक्षक हर मौसम में, अपनी व्यक्तिगत परेशानियों को किनारे करके तुम सबको पढ़ाते हैं। विषय कितना भी अरुचिकर क्यों न हो, उसे वे सदा रोचकता से पढ़ाने की कोशिश करते हैं। शिक्षक समाज के मार्गदर्शक होते हैं, शिक्षक आने वाले कल का, तुम सबके निर्माणकर्ता होते हैं, तभी तो महान शिक्षक, दार्शनिक और भारत के पहले उपराष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।' *

कविता

शिवचरण चौहान

शिक्षक

विद्यालय में हमें पढ़ाते
वह शिक्षक हैं कहलाते।
एक-एक अक्षर हमको
पढ़ना-लिखना सिखलाते।।
गणित और विज्ञान पढ़ाते
हिंदी के संग अंग्रेजी।
जब वे पढ़ाएं हमको तो
आती है बुद्धि में तेजी।।
पढ़ा-लिखा कर बचपन में
हमको करते हैं तैयार।
कहते आगे बढ़ना सीखो
कभी न मानो हार।।
ऐसे ज्ञानी शिक्षक सच में
होते हैं बहुत महान।
आज शिक्षक दिवस पर
हम करते उनका सम्मान।।

हंसगुल्ले

टीचर: दो समानांतर रेखाएं एक-दूसरे को क्यों नहीं काटती हैं?
रोहन: मैम, क्योंकि उनके दांत नहीं होते।
-दीपक, धमतरी

साइंस टीचर: बच्चो, सभी ग्रह अपनी-अपनी कक्षा में घूमते रहते हैं।
कुणाल: सर, अगर वे अपनी-अपनी कक्षा में घूमते रहते हैं, तो पढ़ते कब हैं?
-ज्योत्सना, रोहतक

जीके क्विज-169

1. हाल में किस भारतीय महिला तीरंदाज ने जूनियर विश्व तीरंदाजी खिताब जीता?
2. छत्तीसगढ़ के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
3. भारत के वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त कौन हैं?
4. पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाले लेखक कौन थे?
5. दुनिया के किस शहर को हीरे की राजधानी कहा जाता है?
6. ब्रिटिश भारत के प्रथम वायसराय कौन थे?
7. भारत का सबसे बड़ा स्टेडियम कौन सा है?
8. हाल में देश में निर्मित पहले माइक्रोचिप का क्या नाम है?
9. सूर्य की किरणों से हमें कौन-सा विटामिन मिलता है?
10. सौरमंडल का सबसे गर्म ग्रह कौन-सा है?

बच्चो, जीके क्विज-169 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-168 का उत्तर : 1.शुभमन गिल, 2.मेजर ध्यानचंद, 3.अभिनव बिंद्रा, 4.टेबल टेनिस, 5.खेल प्रशिक्षक (कोच), 6.नरेंद्र मोदी स्टेडियम, 7.ग्यारह, 8.टेनिस, 9.क्रिकेट, 10.मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार

जीके क्विज-168 का सही उत्तर देने वाले : मन्नत-कैथल, सौरभ-बिलासपुर, कबीर-हिसार, अजित-रायगढ़, विवेक-ईमेल से, हर्षिता-रायपुर, अजय-बिलासपुर, दीपक-रायगढ़, सुशील-बालोद, सौम्या-धमतरी, राकेश-महासमुंद

रंग भरो-184

रंग भरो-184 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

डिंपल, दुर्ग

आराना, जांजगीर

देवांश, भिवानी

केशव, जांजगीर

आदित्य, खैरागढ़

सानवी, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

भूमि-बिलासपुर, रेयांश-बिलासपुर, रितेश-मटियारी, सानवी-बिलासपुर, समृद्धि-शहडोल, अभिषेक-बिलासपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, राहुल-करनाल, सौम्या-बिलासपुर, यतीश-कोरबा, हर्ष-बालोद

रंग भरो 185

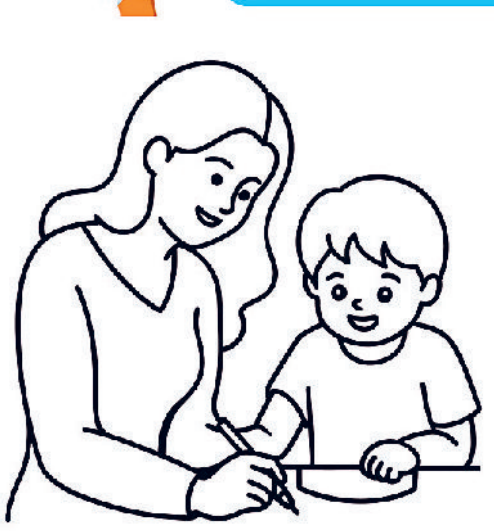

बच्चो, यहां दिए गए रेखाचित्र में सार्थक को उसकी ट्यूशन टीचर पढ़ा रही हैं। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

बढ़ते जल स्तर पर प्रशासन की निगरानी

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि अभी स्थिति कंट्रोल में है। जिला प्रशासन घग्गर के जल स्तर पर निरंतर नजर रखे हुए है। वहीं ग्राम स्तर पर गठित टीमें गांवों में मौजूद रहकर ग्रामीणों के साथ तालमेल बनाए हुए हैं। रातों को गांवों में ठीकरी पहरे भी लगाए जा रहे हैं। पुलिस विभाग द्वारा मुख्य प्वाइंटों पर निगरानी के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हुए हैं।

एडीसी ने नशा मुक्ति केंद्रों का किया निरीक्षण

कैथल। एडीसी दीपक बाबू लाल करवा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नशा मुक्ति कमेटी द्वारा जिला के विभिन्न नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इन केंद्रों में कार्यरत स्टाफ ड्यूटी पर उपस्थित पाया गया तथा दवाइयों का स्टॉक पूर्ण रूप से दुरूस्त पाया गया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं को ओर अधिक बेहतर बनाने को लेकर नशा मुक्ति केंद्र संचालकों को आदेश दिए गए। टीम द्वारा अग्रवाल मनोरोग एवं नशा मुक्ति केंद्र चीका, अजीमगढ़ स्थित आदर्श मुक्ति केंद्र, समर्थ नशा मुक्ति केंद्र व मनो आधार नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया।

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता हुई

राजौंद। उद्यमिता पखवाड़ा 21 अगस्त से 4 सितम्बर के दौरान विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, सृजनात्मकता और व्यवसायिक सोच को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में राजकीय महाविद्यालय राजौंद की प्लेसमेंट सेल द्वारा छोटा कोई काम नहीं, हुनर से ही नाम सही" विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में क्षमा बी.ए. द्वितीय वर्ष ने हर बड़े काम की शुरुआत छोटे से ही होती है।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए राहत अभियान शुरू

पुण्डरी। पंजाब में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए हलका पूंडरी में गांव-गांव राहत सामग्री एकत्रित करने का अभियान तेजी पकड़ रहा है। विधायक सतपाल जांबा के आह्वान पर गांव फरल में विशेष अभियान चलाया गया।

गुरु ब्रह्मानंद आश्रम बणी पूंडरी में धूमधाम से मनाया स्वामी बलेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का 83वां जन्मोत्सव

गुरु का हमारे जीवन में विशेष महत्व : हरविंद्र कल्याण

गुरु ब्रह्मानंद की विचारधारा को आगे बढ़ा रहे गुरु बलेश्वरानंद महाराज

- गुरु जी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान में अहम योगदान दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

श्री गुरु ब्रह्मानंद आश्रम बणी पूंडरी में स्वामी बलेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज के 83वें जन्मोत्सव के अवसर पर एक शाम गुरुओं के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा विधानसभा स्पीकर श्री हरविंद्र कल्याण ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। वहीं पूंडरी विधायक श्री सतपाल जांबा विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचने पर दोनों नेताओं ने आश्रम में संतों और गुरुओं का आशीर्वाद लिया। हरियाणा विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने स्वामी बलेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज के 83वें जन्मोत्सव की बधाई हुए कहा कि गुरुओं का हमारे जीवन में बहुत महत्व होता है। गुरु ब्रह्मानंद जी ने हमेशा बेटियों की शिक्षा व पर्यावरण की सुरक्षा पर जोर दिया था। उसी विचाराधारा, शिक्षाओं एवं पद्घतियों को गुरु बलेश्वरानंद जी महाराज आगे बढ़ा रहे हैं। गुरु जी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान में अहम योगदान दिया। उन्होंने कहा कि आज युवाओं में संस्कारों को बढ़ावा देने की जरूरत है। यदि व्यक्ति के अंदर अच्छे संस्कार व अच्छी शिक्षा होगी तो वह समाज व राष्ट्र निर्माण में अपना बेहतर योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें आज जो पद व काम करने की क्षमता मिली है, वह गुरुजनों के आशीर्वाद से ही मिली है। गुरुजनों ने हमेशा समाज को अच्छा रास्ता दिखाया है। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने सभी आमजन से आह्वान करते कहा कि हमें अपने बच्चों को अच्छे संस्कार व अच्छी शिक्षा देनी चाहिए।

पूंडरी। कार्यक्रम में बैठे विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण व विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण को सम्मानित करते समाज के लोग। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भजन संध्या का आयोजन भी किया गया, जिसमें कलाकारों ने मधुर भजनों से सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और अनुयायी शामिल हुए, जिन्होंने स्वामी जी को जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महात्मा दयानंद जी, पूंडरी नगर पालिका चेयरपर्सन बबली गोस्वामी, आश्रम प्रबंधक राजपाल, संदीप आर्य, भगवान देव, रकम सिंह, अनिल आर्य, राजकुमार वालिया, अमित कुमार, अक्षय पाल, छत्रपाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बच्चा संस्कारी बना देगा जीवन सफल

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि गुरु बालेश्वर आनंद जी समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं। यह संसार दुखों का घर है। हमें सुख पाना है तो संतो की शरण में जाना होगा। पूर्ण संत का सृष्टि में आने का एक ही मकसद होता है कि हमारे जैसे लोगों को भवसागर से पार लगाना। हमें बच्चों को ऐसे सत्संगों से जोड़ना चाहिए। क्योंकि बच्चा संस्कारी होगा तो वह जीवन सफल बना देगा। यदि दुराचारी होगा तो कमाया गया धन भी बर्बाद कर देगा। उन्होंने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमारे सामने संत बैठे हैं, जो निस्वार्थ समाज की सेवा कर हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं।

लंबित मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, जमकर नारेबाजी की

कैथल। नारेबाजी करते सफाई कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा संबधित सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर ब्लॉक प्रधान महेंद्र कुमार बिड़लान की अध्यक्षता मे जिला पालिका आयुक्त कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया तथा उनके पीए भारत कुमार को मांगो का ज्ञापन सोपा। संचालन ब्लॉक सचिव विक्कीटाँक ने किया।प्रदर्शन मे कर्मचारियो को सम्बोधित करते हुए संध के राज्य मुख्य संगठन कर्ता व एसकेएस जिला प्रधान शिवचरण, एसकेएस जिला सचिव मा. रामपाल शर्मा ,नगर पालिका कर्मचारी संघ से जिला प्रधान गौरव टांक ने कहा कि हरियाणा सरकार सफाई अभियान के नाम पर सफाई व दफ्तर के कर्मचारियो का भारी शोषण कर रही है ओर इनसे 15 -15 घंटे लगातार काम लिया जा रहा है। उसके बदले न तो रेस्ट दिया जा रहा ओर ना ही ओवर टाइम दिया जा रहा। शहर की सफाई व्यवस्था के लिए हाथ व रिक्सा रेहड़ी व सफाई के पूरे उपकरण भी नही दिए जा रहे।

ये रहे उपस्थित

आज के प्रदर्शन मे महेन्द्र कुमार बिड़लान, राजकुमार मंचल, जगदीश कुमार, जिला प्रधान गोरव टांक, अमित कुमार, मुकेश कुमार, वर्षा रानी,विधा देवी, सुमेश राणा, काका प्रेमी, कपिल कल्याण,सुशिल कुमार,सन्नी कांगडा, सूरज कल्याण आदि उपस्थित रहे।

पंजाब के बाढ़ पीडितों के लिए उठ रहे हाथ

राजौंद। पिछले एक सप्ताह से पंजाब मे बाढ की वजह से जो जन धन की तबाही हो रही है उससे कोई भी अनभिज्ञ नहीं है। हरियाणा यूपी से लगातार बाढ पीड़ितों की मदद के लिए लोग अपनी हैसियत से बढ़कर दान दे रहे है ताकि किसी जरूरतमंद की सेवा की जा सके। हरियाणा से रोजाना सेंकड़ों ट्रेक्टर ट्रेलिया राहत सामग्री लेकर पंजाब जा रही है। इसी कड़ी मे राजौंद स्थित गुरुद्वारा में नगरवासियों की एक बैठक हुई। जिसमे पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बढ़चढ़ कर सहयोग करने की बात हुई।

धोखाधड़ी कर मोबाइल छीनने के आरोपी काबू

कैथल। मोबाइल दुकान से धोखाधड़ी कर मोबाइल फोन ले जाने के मामले में की जांच चौकी रामथली पुलिस प्रभारी एएसआई मनीष कुमार की अगुवाई में एएसआई नायब सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी मोहनबीर उर्फ मोनू निवासी गांव अलीपुर जाटान, जिला पटियाला पंजाब को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की कसौर निवासी राजकुमार की शिकायत अनुसार उसकी रामथली मार्केट में /"विश्वकर्मा टेलीकॉम/" नाम से मोबाइल की दुकान है। दिनांक 3 जून को शाम करीब 8:30 बजे दो अज्ञात युवक उसकी दुकान पर आए और मोबाइल खरीदने की बात की। उन्हें वीवो का एक मोबाइल पसंद आया, जिसकी कीमत 6500 रूपये तय हुई। युवकों ने झूठी फोन पे ट्रांजैक्शन का स्क्रीनशॉट दिखाकर मोबाइल ले लिया और मौके से फरार हो गए। जिस बारे थाना गुहला में मामला दर्ज किया गया था। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बाइक व धोखाधड़ी से खरीदा गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया। आरोपी फेक फोन एप की मार्फत खरीददारी करते है तथा दुकानदार को फेक पेमेंट का स्क्रीनशॉट दिखा देते है। आरोपी अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कैथल। धोखाधड़ी से मोबाइल खरीदने वाला आरोपी चौकी रामथली पुलिस गिरफ्त में।

बैठक में लिए ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया

कैथल। भारतीय जनता पार्टी कैथल जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस बैठक में लिए गए निर्णय के तहत अब आम जनता को महंगाई से बड़ी राहत मिलेगी। नई दरें 22 सितम्बर 2025 से, प्रथम नवरात्रे के शुभारंभ पर लागू होंगी। यह फैसला देशवासियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला है। अब रोजमर्रा की कई जरूरी वस्तुएँ जैसे ब्रेड, दूध, पनीर, दही, पैकेज्ड फूड, बर्तन, बच्चों के नैपकिन, सिलाई मशीन, मेडिकल बेड, टेस्ट किट, जीवन रक्षक दवाएँ व स्वास्थ्य बीमा बेहद सस्ते हो जाएंगे।

मक्का खरीदने के नाम पर ठगी के आरोपी दबोचे

- बहाना बनाकर 30 अगस्त तक पैसे देने का वादा किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कैथल

मक्की व राइस ब्रोकन खरीदने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में थाना चीका पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाही करते हुए एक आरोपी को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि वार्ड नं. 6 चीका निवासी अमर सिंगला की शिकायत अनुसार वह शंकर राइस एंड जनरल मिल्स का मालिक हैं। 16 अगस्त को ज्वाला प्रसाद गर्ग ने उसके बेटे संसार सिंगला से संपर्क किया और मक्की व राइस ब्रोकन खरीदने की इच्छा जताई। सौदे के मुताबिक मक्की 2135 रुपये प्रति क्विंटल और राइस ब्रोकन 2171 रुपये प्रति क्विंटल तय हुआ। इसके बाद 18 अगस्त को उन्होंने दो ट्रालियों के माध्यम से करीब 465 क्विंटल 20 किलोग्राम मक्की ज्वाला प्रसाद गर्ग के गोदाम में भेज दी गई।

जिसके बाद तय समय 25 अगस्त पर भुगतान की मांग करने पर ज्वाला प्रसाद गर्ग ने बैंक लिमिट बदलने का बहाना बनाकर 30 अगस्त तक पैसे देने का वादा किया। उसकी बातों पर विश्वास करके उसने 27 अगस्त को 220 क्विंटल राइस ब्रोकन और भिजवा दी। लेकिन जब वे भुगतान लेने पहुंचे तो पता चला कि ज्वाला गर्ग अपने परिवार सहित फरार हो गया है। इसके बाद जब माल बारे पता किया तो पता चला की उनके राइस ब्रोकन की ट्रैक्टर-ट्राली सुरभी नाम का ड्राइवर अम्बाला के हंडेसवरा चौंक पर लेकर खडा हैं, जिसे बाद चालक सुरभी से फोन पर बातचीत की गई, सुरभी ने वापिस लौटाने का आश्वासन देकर फोन बंद कर दिया। जिस बारे उसके साथ कुल 14 लाख 71 हजार रुपये की धोखाधड़ी हुई हैं। बारे थाना चीका में मामला दर्ज कर लिया गया।

कैथल। धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपी थाना चीका पुलिस गिरफ्त में।

त्वरित कार्रवाई

प्रवक्ता ने बताया कि मामले की जांच दौरान त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना चीका प्रभारी पीएसआई अमन कुमार की अगुवाई में एएसआई एएसआई जसबीर व एचसी सुमित कुमार की टीम द्वारा बुधवार की शाम जिला मौहाली पंजाब के गांव खरड़ से आरोपी वार्ड नं 14 चीका निवासी ज्वाला प्रसाद गर्ग को काबू कर लिया गया।

कैथल। ट्रैफिक नियमों के बारे विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए एसएचओ ट्रैफिक।

कैथल : आरकेएसडी स्कूल विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की पालना करने के लिए किया जागरूक

कैथल। सड़क सुरक्षा विषय के तहत एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार आमजन सहित युवाओं को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए वीरवार को आरकेएसडी स्कूल कैथल में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें यातायात थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेश कुमार ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की पालना करने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा दुर्घटनाओं में कमी लाना है। एसएचओ इंस्पेक्टर नरेश कुमार ने विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की आवश्यकता, हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग, तेज गति और मोबाइल के उपयोग से होने वाले खतरों, अपने वाहन को मॉडिफाई ना करवाए जैसे की बुलेट मोटरसाइकिल मे साइलेंसर चेंज करके पटाखा बजाते है न बजाए, अपनी गाड़ी मे साईरान वगैरा ना लगवाए, शराब पीकर गाड़ी ना चलाए, आदि ट्रैफिक नियमों बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं लापरवाही और नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं, जिन्हें थोड़ी सी सावधानी और जागरूकता से रोका जा सकता है। सभी को चालान से बचने के लिए नहीं बल्कि जान माल की सुरक्षा के लिए करें यातायात नियमों की पालना करनी चाहिए।

एंटी नारकोटिक सेल द्वारा नशीला पदार्थ चरस सप्लायर दबोचा

कैथल। 230 ग्राम चरस/सुल्फा बरामदगी मामले की जांच एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी एसआई राजबीर सिंह की अगुवाई में एएसआई राजेश कुमार की टीम द्वारा करते हुए आरोपी जिला सहारनपुर यूपी के गांव महमूदपुर गुजर निवासी बिल्लू को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 1 सितंबर को एंटी नारकोटिक सेल द्वारा गांव गुलियाना में नाकाबंदी करके बाइक पर सवार होकर आए आरोपी गांव संडील निवासी अश्वनी व विकास उर्फ आशु को काबू किया गया था। जिनके कब्जे से 230 ग्राम चरस बरामद हुई थी। आरोपियों के खिलाफ थाना राजोंद में मामला दर्ज करके एएसआई राजेश सिंह द्वारा आगामी कार्रवाई की गई। आरोपी अश्वनी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था जबकि व्यापक पूछताछ के लिए आरोपी विकास का न्यायालय से 2 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। आरोपी विकास से पूछताछ दौरान खुलासा हुआ कि उन दोनो को यह चरस बिल्लु उपरोक्त द्वारा सप्लाई की गई थी। आरोपी बिल्लू के कब्जे से 1600 रुपए ड्रगमनी बरामद की गई। दोनों आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कैथल। दोनो आरोपी एंटी नारकोटिक सेल गिरफ्त में।

पुण्डरी। प्रतियोगिता के दौरान अव्वल विद्यार्थियों के साथ अतिथिगण व स्टाफ।

उद्यमिता पखवाड़े के तहत विद्यार्थियों ने सीखे नवाचार और रोजगार सृजन के गुर

पुण्डरी। डीएवी कॉलेज पूंडरी के सभागार कक्ष में 21 अगस्त से शुरू हुए उद्यमिता पखवाड़े का समापन भव्य कार्यक्रम के साथ हुआ। इस पखवाड़े के दौरान भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण और नारा लेखन जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समापन दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय फतेहपुर की वाणिज्य विभाग की प्राध्यापिका विनय खुरानिया उपस्थित रहीं। कार्यकारी प्राचार्य डॉ. राजेश टूरण ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्य वक्ता विनय खुरानिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में नवाचार को बढ़ावा देना, अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करना और रोजगार सृजित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न आंकड़ों के माध्यम से यह भी स्पष्ट किया कि उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर कार्यकारी प्राचार्य डॉ. राजेश टूरण ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह और सत्यार्थ प्रकाश भेंट कर सम्मानित किया और विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

श्री गणेश उत्सव में झांकी ने बांधा समां

सीवन। नगर के शांति मोहल्ला सेवा समिति की ओर से चल रहे श्री गणेश उत्सव में बुधवार रात्रि का संकीर्तन कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस संकीर्तन का आयोजन श्री सनातन धर्म मंदिर की ओर से किया गया। समिति के उपप्रधान मिनित मुटरेजा ने जानकारी दी कि संगत का उत्साह और श्रद्धा दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। रोजाना शाम को होने वाले इस संकीर्तन में अलग-अलग मंडल आकर भगवान श्री गणेश के गुणगान कर रहे हैं। बुधवार रात्रि के भजन संकीर्तन की शुरुआत मुख्य अतिथि अनीता नरेश मुंजाल, जॉनी चुघ और मनोज आनंद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से आपसी भाईचारा, प्रेम और सद्भावना की भावना प्रबल होती है तथा भगवान के प्रति श्रद्धा भाव और अधिक गहरा होता है। इसलिए इस प्रकार के कार्यक्रम समय-समय पर अवश्य होते रहने चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र सिंह कल्याण का किया स्वागत

पुण्डरी। हरविंदर सिंह कल्याण का स्मृति चिह्न देकर स्वागत करते सौरभ वर्मा। *फोटो :हरिभूमि*

पुण्डरी। गांव फतेहपुर में बबलू के निवास पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर सिंह कल्याण का आगमन ग्रामीणों के लिए ऐतिहासिक पल साबित हुआ। सरपंच पुत्र सौरभ वर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष का स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान पूरा माहौल तालियों और नारों से गूंज उठा। गांव में पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष का ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से जोरदार अभिनंदन किया। कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ ने स्पष्ट कर दिया कि लोग हरविंदर सिंह कल्याण के नेतृत्व और उनकी जनसेवा की नीतियों से गहरा जुड़ाव रखते हैं। सौरभ वर्मा ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के आगमन से गांववासियों का उत्साह कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने प्रदेश के विकास और गांवों की तरक्की के लिए कल्याण के प्रयासों की सराहना की। वहीं ग्रामीणों ने भी विधानसभा अध्यक्ष को अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया और सकारात्मक समाधान की उम्मीद जताई।

कोई भी खिलाड़ी सुविधाओं से वंचित न रहेः नवीन

कैथल। सांसद नवीन जिन्दल ने कैथल जिले के पट्टी अफगान स्टेडियम के नवीनीकरण के लिए 9.92 लाख रुपये की राशि जारी की है। इस राशि का उपयोग स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, नवीनीकरण, मरम्मत और खेल सुविधाओं को आधुनिक रूप देने में किया जाएगा। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि उनका उद्देश्य है कि कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र का कोई भी खिलाड़ी मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की प्रतिभा तभी निखरती है। जब उन्हें उपयुक्त वातावरण, बेहतर प्रशिक्षण स्थल और आधुनिक खेल इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होता है। इसी दृष्टिकोण के साथ उन्होंने यह राशि स्वीकृत की है।

समस्या सीवरेज व्यवस्था बनी जनता के लिए जी का जंजाल

सीवन बना गड्ढों का शहर, चालक परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीवन

सीवन नगर की सड़कों की हालत इस कदर खराब हो चुकी है कि नगरवासियों ने इसे गढ्ढों का शहर कहना शुरू कर दिया है। नगर की कोई भी गली या सड़क ऐसी नहीं बची, जहां बड़े-बड़े गड्ढे न हों। सबसे ज्यादा दिक्कत सौथा रोड और कैथल-पटियाला मुख्य मार्ग पर देखने को मिल रही है। सौथा रोड, जो नगर के बीच से होकर गुजरता है, जगह-जगह धंस चुका है। मुख्य मार्ग से सौथा गाँव को जाने वाले रोड पर भी सड़क पूरी तरह से धस गई। बुधवार शाम इसी मार्ग पर एक ट्रक और एक ट्रैक्टर-ट्राली गहरे गड्ढों में फंस गए। उन्हें बाहर निकालने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ी। इसी तरह कैथल-पटियाला मुख्य मार्ग पर भी कई स्थानों पर बड़े गड्ढे बनने से वाहन चालकों की परेशानियां बढ़ गई हैं। नगर पालिका कर्मचारी रोजाना सुबह मिट्टी की ट्राली लेकर गड्ढों को भरने निकलते हैं, लेकिन बरसात के चलते अस्थायी पैबंद ज्यादा देर नहीं टिक पाते। सबसे बड़ी समस्या नगर में पिछले लगभग 8 वर्षों से चल रही सीवरेज व्यवस्था से जुड़ी है। जिस उद्देश्य से सीवरेज डाली गई थी, उसका लाभ लोगों को आज तक नहीं मिल पाया।

सीवन। सीवन में सौथा रोड पर धंसा ट्रक।

उच्च स्तरीय जांच की मांग उठी

लोगों का कहना है कि हर बरसात के मौसम में नए-नए गड्ढे खुलकर सामने आ जाते हैं। दिन के समय तो यह गड्ढे दिखाई दे जाते हैं, लेकिन रात में कई वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। विशेषकर जहां-जहां मेनहोल बने हुए हैं, वहां सड़क पूरी तरह धंस चुकी है और गहरे गड्ढे वाहन चालकों व राहगीरों के लिए खतरा बने हुए हैं। नगर निवासियों ने सवाल उठाया कि जब सीवरेज व्यवस्था इतनी घटिया तरीके से बनाई गई, तो ठेकेदार के बिल किस आधार पर पास किए गए और भुगतान कैसे कर दिया गया? यह पूरा मामला भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग भी उठ रही है।

कन्या भ्रूण हत्या समाज पर कलंक : डा. संदीप

राजौंद। मीटिंग में भाग लेते हुए मुख्य चिकित्सक अधिकारी व अन्य।

राजौंद। उप स्वास्थ्य केन्द्र सौंगल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रेनू चावला व वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संदीप सिंह के निर्देशानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें गांव के मौजिज लोग,महिला व गांव की आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।मीटिंग में सुमन महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने लोगों को बताया कि सरकार ने बेटी बचाने व बेटी पढ़ाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं जैसे सुकन्या समृद्धि योजना,घर में बेटी का जन्म होने पर सरकार द्वारा परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करना।बालिका समृद्धि योजना, बालिका छात्रवृत्ति योजना,बालिकाओं को मुफ्त शिक्षा देना व शादी के समय कन्यादान के तौर पर शगुन योजना दी जा रही है। इसलिए समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी बनती है कि कार्यक्रम में सरकार का सहयोग करें। हमारे समाज में पहले लड़का और लड़की में भेदभाव किया जाता था लेकिन बेटियां अब हर क्षेत्र में अपना,अपने अभिभावकों,गांव प्रदेश का नाम रोशन करके लड़कों से आगे निकल गई हैं। इसलिए हमें आज ही एक शपथ लेनी है कि हम कभी भी कन्या भ्रूण जांच नहीं करवाएंगे और न ही अपने आसपास के लोगों को यह कार्य करने देंगे।

खबर संक्षेप

राजकीय कालेज से एसी के सात आउटडोर चोरी

जींद। गोहाना रोड स्थित राजकीय महाविद्यालय से रात को एसी के सात आउटडोर चोरी हो गए। सिविल लाइन थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी करने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है। प्राचार्य सत्यवान मलिक ने पुलिस एफआईआर में बताया कि कंप्यूटर साइंस विभाग के द्वितीय तल पर एसी लगाए हुए हैं। जब संभाला तो उनके आउटडोर नहीं मिले।

पूर्ण श्रद्धा बिना भक्ति नहीं: पंडित रामनिवास

जींद। असमर्थ महिला कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक पंडित रामनिवास अहिरका ने कहा कि जब हम किसी काम को पूरा मन लगाकर पूरी श्रद्धा से करते हैं तो वही काम हमारे लिए दिलचस्पी बन जाता है। भक्ति बन जाता है। तरह.तरह के सुखों का कारण बन जाता है। जब हम उसी काम को आधे.अधूरे मन से खाना पूर्ति समझकर करते हैं तो वही काम हमारे लिए बेगार बन जाता है, बोझ बन जाता है।

डा. चिराग ने नीट पीजी परीक्षा में पाया 597वां रैंक

उचाना। सबसे के सबसे प्रसिद्ध डा. सुरेश गुप्ता के बेटे डा. चिराग गुप्ता ने नीट पीजी परीक्षा 2025 में 597वां रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। डा. सुरेश गुप्ता ने बताया कि डा. चिराग ने एमबीबीएस की डिग्री एमएएनसी नई दिल्ली से की। ऑल इंडिया में 597 रैंक प्राप्त करके माता-पिता, क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन किया है। समाज सेवी बलवान कापड़ोए सतपाल गोयल एवं सुरेंद्र गर्ग ने डॉण चिराग गुप्ता के उज्जव भविष्य की कामना की।

संत कंवर साहिब जी सात को जींद में करेंगे प्रवचन

जींद। राधा स्वामी दिनोद के परम संत कंवर साहिब जी महाराज आगामी सात सितंबर (रविवार) को पानीपत के गोहाना रोड पर राधा स्वामी आश्रम में साध संगत को सत्संग एवं प्रवचन देंगे। राधा स्वामी सत्संग दिनोद के सेवादार संदीप खरकिया ने बताया कि सत्संग में आसपास क्षेत्र से हजारों की संख्या में राधा स्वामी के श्रद्धालु भाग लेंगे सत्संग में भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

रोडवेज बस की टक्कर से युवक घायल

जींद। गोहाना रोड पर निडाना गांव के पास एक युवक को रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल ले जाया गया। जुलाना पुलिस ने अज्ञात बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। निडाना निवासी 32 वर्षीय अरूण कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दो सितंबर को वह गोहाना रोड की तरफ किसी काम से आया था।

रक्तदान शिविर गुलकनी के शहीदी स्मारक पर सात को

जींद। युवा विकास समिति द्वारा गांव गुलकनी के शहीदी स्मारक पर सात सितंबर रविवार को स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। समिति अध्यक्ष प्रदीप रेढू ने बताया कि शिविर सुबह नौ बजे शुरू होगा। रक्तदान शिविर में ज्यादा से ज्यादा युवाओं ने भाग लेना चाहिए।

कांग्रेस सांसद जयप्रकाश उचाना में आज

उचाना। हिसार लोकसभा कांग्रेस सांसद जयप्रकाश पांच सितंबर को पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में लोगों की समस्याओं को सुनेंगे। वीरेंद्र प्रधान ने जानकारी देते हुए बताया कि हर महीने के पहले शुक्रवार को सांसद जयप्रकाश पीडब्लयूडी विश्राम गृह पहुंचते है। यहां पर लोगों की समस्याओं को सुन उनका समाधान करने का काम करते है।

पूर्व सैनिक परिवारजन की बैठक शनिवार को

जींद। कर्नल डीके भारद्वाज ने बताया कि छह सितम्बर नौ बजे गोहाना रोड स्थित सैनिक वाटिका मे पूर्व सैनिकों और परिवारजनों की मासिक सभा होगी। जिसमें सैनिक सवास्थ सेवाएं, आठवां पे कमीशन सदस्यों की नियुक्ति एवं पूर्व सैनिक और परिवारजनों की कल्याणकारी योजनाओं, केंद्र, कार्पोरेट सेक्टर में पूर्व सैनिकों एवं परिवाराजनों के लिए उपलब्ध रोजगार अवसरों बारे जानकारी दी जाएगी।

सर्वजातीय खाप पंचायत ने की सामाजिक मुद्दों पर चर्चा

लिव इन रिलेशनशिप कानून को किया जाए खत्म : टेकराम कंडेला

प्रदेश के सभी गांव मिलकर पंजाब में बाढ़ ग्रस्त लोगों की पूरी तरह से मदद करें

लड़का व लड़की की शादी माता-पिता की सहमति से की जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। बैठक में मंथन करते टेकराम कंडेला। फोटो :हरिभूमि

सर्वजातीय खाप पंचायत के राष्ट्रीय संयोजक व कंडेला जन कल्याण फाउंडेशन व भारतीय किसान मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। जिसमें लिव इन रिलेशनशिप को खत्म करने की बात कही गई। साथ ही लड़का व लड़की की शादी माता-पिता की सहमती से की जाए व हरियाणा सरकार को सफीदों के विधायक रामकुमार गौतम ने जो विधानसभा में आवाज उठाई है, उस पर गंभीरता से अमल करवाया जाए। पंजाब व हरियाणा में बाढ़ प्रभावित लोगों को संगठन की तरफ से व केंद्र व पंजाब और हरियाणा सरकार से मांग की कि लोगों की हरसंभव मदद की जाए। हरियाणा प्रदेश के सभी गांव मिलकर पंजाब में बाढ़ ग्रस्त लोगों की पूरी तरह से मदद करें। कंडेला ने बताया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने जो बयान दिया है, हर परिवार में तीन बच्चों को लेकर यह बयान आज के समय को देखते हुए दिया गया है। क्योंकि आज के समय में किसी भी परिवार में दुर्घटना हो जाने पर परिवार सदमें में पहुंच जाता है। इसलिए दो या तीन बच्चे होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि राजनीति या पंचायती या सामाजिक क्षेत्र में व्यक्ति 80 वर्ष की आयु तक स्वस्थ है तो समाज सेवा करते रहना चाहिए। कंडेला ने केंद्र सरकार से मांग की है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में बढ़ोत्तरी की जाए, जो किसान इससे वंचित रह गए हैं उनको इसका लाभ दिया जाए। उन्होंने हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मांग की कि सहकारी बैंकों में जो बिना बयाज के एक लाख तक का का लोन दिया जाता है, उसको बढ़ाकर पांच लाख किया जाए। कंडेला ने कहा कि सर्वखाप कंडेला जन कल्याण फाउंडेशन व भारतीय किसान मजदूर यूनियन का जो संयुक्त संगठन बना है, पूरे उत्तरी भारत में मजबूती से कार्य कर रहा है।

ये रहे मौजूद

इस संगठन में ज्यादा से ज्यादा और नए लोगों को जोड़ा जाए ताकि संगठन को और मजबूती मिल सके। इन सभी मुद्दों को लेकर प्रदेश, राष्ट्रीय स्तर पर कई कमेटियों का गठन किया गया है जो इन सभी मुद्दों को लेकर जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। हरियाणा को नशा मुक्त करना, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना व सामाजिक ताना-बाना बनाए रखने की बात कही गई। बैठक में किसान यूनियन के प्रधान अजमेर दालमवाला, हजूरा सिंह कंडेला, वेद प्रकाश कंडेला, रामकिशन रेढू, फकीरिया रेढू, राममेहर रेढू, सुरेश पूनिया, सतबीर सिंह गोयत, ओमप्रकाश व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीएचसी अलेवा को 39 घंटे बाद मिली बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

- बिना बिजली के लोगों को हो रही थी परेशानी

आखिरकार बिजली निगम ने 39 घंटे बाद सीएचसी अलेवा की बिजली सप्लाई बहाल कर दी। जिसके बाद सीएचसी स्थित कर्मचारियों तथा लोगों ने राहत की सांस ली। सीएचसी अलेवा में पिछले 39 घंटे से बिजली बंद होने के कारण स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ-साथ लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बिना बिजली के फ्रीज में रखी वैक्सीन के खराब होने के काफी हद तक आसार बढ़ गए थे। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने अस्थायी रूप से जरनेटर की मदद से कुछ हद तक आपातकालीन सेवाओं को सुचारू रूप से चालू रखने की कोशिश की लेकिन बिना बिजली के लोगों को सीएचसी में पीने के पानी से लेकर अन्य कामों के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।सीएचसी में इलाज के लिए पहुंचे अलेवा तथा आसपास गांव के विकास, राजेश, महावीर आदि ने बताया था कि मंगलवार सुबह से सीएचसी अलेवाकी बिजली मामले में बत्ती गुल होने से मरीजों के साथ-साथ स्टाफ को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

विशेषकर रात को गर्भवती महिलाओं के साथ पहुंचे स्वजनों को तो बिना बिजली के पूरी रात मच्छरों के साये में बितानी पड़ रही थी। मामले को लेकर महिलाओं के परिजनों ने सीएचसी अलेवा में बंद पड़ी बिजली को चालू करवाने की मांग स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों से की थी। जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों ने मामले को लेकर बिजली निगम नगूरां के कर्मचारियों को अवगत करवाया। बिजली निगम नगूरां के कर्मचारियों ने आखिरकार 39 घंटे बाद सीएचसी अलेवा की बिजली बहाल कर दी। बिजली निगम नगूरां के एसडीओ आनंद कुमार ने बताया कि सीएचसी अलेवा की बिजली लाइन में आए फाल्ट को कर्मचारियों ने दुरस्त कर बिजली सप्लाई बहाल कर दी है। मंगलवार को दिनभर चली बारिश से कर्मचारियों को फाल्ट आदि ढूंढने में परेशानी हुई थी लेकिन बुधवार को जैसे ही बारिश रूकी तो कर्मियों ने फाल्ट ढूंढ कर बुधवार शाम को सप्लाई बहाल कर दी।

स्मृति दिवस के अवसर पर बच्चों को स्टेशनरी किट वितरित करते मुख्यातिथि।

स्वर्गीय बलजीत कुंडू को किया याद

जींद। स्वर्गीय बलजीत सिंह कुंडू की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर सीबीएसके प्रेरणा फाउंडेशन द्वारा कुंडू सदन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर पूर्व मंत्री बच्चन सिंह आर्य ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल कुंडू व महासचिव संदीप कुंडू ने की। मुख्यातिथि ने पौधा रोपण कर व स्वर्गीय बलजीत सिंह कुंडू के चित्र पर पुष्पार्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सीबीएसके प्रेरणा फाउंडेशन का उद्घाटन भी किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद प्रतिभावान बालिकाओं को स्टेशनरी किट वितरित की गई ताकि वे अपनी पढ़ाई में और आगे बढ़ सकें। इस अवसर पर विक्रम कुंडू, कर्मपाल देशवाल, हरिकेश बिढाण सरपंच मांडी, राममेहर कुंडू प्रधान, सुरेश कुंडू कालवा, राजकमल वर्मा भारत विकाश परिषद, कश्मीर मलिक, कर्ण सिंह चेयरमैन, रामफल चहल, पाले राम कुंडू, शमशेर कुंडू व अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधायक ने अपना मोबाइल नंबर किया सार्वजनिक

उचाना। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने मोबाइन नंबर 90501-99999 को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फेसबुक से सार्वजनिक किया। विधायक ने कहा कि अगर किसी भी तरह की बाढ़ की आशंका बनती है तो हलके के गांव का कोई भी व्यक्ति किसी भी समय बिना किसी हिजक के मोबाइल नंबर पर कॉल करके संपर्क कर सकता है। किसी भी तरह की सहायता फोन कॉल करके मांग सकता है। क्योंकि जनता की सेवा के लिए जनता द्वारा भी उन्हें चुना गया है। 24 घंटे वो जनता की सेवा के लिए तैयार है। प्रशासन, सरकार ओर वो स्वयं 24 घंटे उचाना के हर व्यक्ति, किसान के साथ खड़े है। हमारी नजर हमारे उचाना परिवार की सुरक्ष और खेती पर है। पल-पल की अपडेट जहां जलभराव की स्थिति है उसको लेकर अधिकारियों से ले रहे है। सुरखरा गांव में जाकर खेतों में भरे पानी का जायजा लेकर किसानों से भी मुलाकात की थी।

मां के नाम पौधारोपण के तहत लगाएं पौधे

जींद। हिंदू कन्या कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक विशेष और प्रेरणादायक कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मां के स्नेह और त्याग को समर्पित कर मातृत्व के आदर और पर्यावरण के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अभियान में सर्वप्रथम महाविद्यालय प्राचार्या डा. पूनम मोर द्वारा महाविद्यालय प्रबंधक समिति के प्रधान डा. अंशुल सिंगला की माता स्व. संतोष सिंगला के नाम पहला पौधा लगाकर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। प्राचार्या पूनम मोर ने अपने संबोधन में कहा कि स्व. संतोष देवी इस महाविद्यालय के लिए मां के समान थी और इस अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के आंगन में पहला पौधा लगाकर हम उनकी पावन स्मृति को नमन करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान हमें प्रकृति और अपनी माताओं के प्रति हमारे कर्तव्यों का स्मरण कराता है। जिस प्रकार एक मां अपने बच्चों का पालन पोषण कर उन्हें जीवन देती है ठीक उसी प्रकार वृक्ष भी पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखते हैं।

जींद। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्राचार्या और छात्राएं।

जींद। लोगों को जागरूक करते स्वास्थ्य कर्मी।

डेंगू से बचाव के तरीके बताए

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरियावाला के अंतर्गत ईंटल खुर्द गांव में स्वास्थ्य कर्मियों की टीम द्वारा गांव में फीवर मास सर्वे किया। इस दौरान टंकी, कूलर, होदी, छतों पर पड़े कबाड़, फ्रिज के पीछे लगी वेस्ट ट्रे, गमलों, पक्षियों के पानी पिलाने के बर्तनों के पानी में लारवा चेक किया। ग्रामवासियों को मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया बुखार के कारण, लक्षण व बचाव के तरीके बताए व जिनको बुखार पाया गया उनकी रक्त पट्टिका बनाकर लैब में जांच के लिए भेजी गई। एमपीएचडब्ल्यू पवन कुमार व कविता ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों ने टीम बनाकर गांव में दौरा किया और घर-घर जाकर ग्रामीण लोगो को डेंगू से बचाव के तरीके बताए। जागरूक करते हुए कहा कि डेंगू बुखार संक्रमित एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। जिसमें अचानक तेज बुखार आता है। जोड़ो व मांसपेशियों में दर्द होता। सिर में दर्द होता है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी युक्तियां अपनाकर हम मलेरिया व डेंगू बुखार से बच सकते है। जैसे फ्रिज के पीछे लगी वेस्ट ट्रे को सप्ताह में एक बार जरूर खाली करें।

विद्यार्थियों को गतिविधियों के बारे में करवाया अवगत

उचाना। राजीव गांधी कालेज में प्राचार्य डा. रणवीर कौशल की अध्यक्षता में इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ महाविद्यालय में होने वाली अन्य गतिविधियों से अवगत करवाना रहा। डा. कौशल ने बताया कि आगामी भविष्य को देखते हुए महाविद्यालय में प्रतियोगिता कॉम्पिटेटिव एग्जामिनेशन की कक्षा जल्द शुरू की जाएगी। सीनियर लेक्चरार डा. राजेश श्योकंद ने विद्यार्थियों को अनुशासन का महत्व, नई शिक्षा नीति 2020, शैक्षणिक भ्रमण, महाविद्यालय में उपस्थिति क्यों अनिवार्य है और एनएसएस के विषय में विस्तृत जानकारी दी। राहुल देव ने विद्यार्थियों को एनसीसी प्रोग्राम से होने वाले फायदे के बारे में प्रोत्साहित किया। हरिओम ने विद्यार्थियों को समय सारणी एवं खेलकूद गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। डा. रविश ने विद्यार्थियों को भिन्न.भिन्न प्रकार की स्कॉलरशिप की विस्तृत जानकारी दी एवं मोनिका ने विद्यार्थियों को कम्युनिकेशन स्किल को कैसे बेहतर बना जाए इस विषय में बताया।

उचाना। विद्यार्थियों को संबोधित करते प्राचार्य डा. रणबीर कौशल।

उचाना। वुशू प्रतियोगिता में विजेता कनिका को सम्मानित करते हुए।

सिल्वर विजेता कनिका को किया सम्मानित

उचाना। सनशाइन पब्लिक स्कूल भौंगरा की छठी कक्षा की छात्रा कनिका पुत्री नरेश भौंगरा ने प्रदेश स्तर पर आयोजित वुशू प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता। स्कूल में पहुंचने पर कनिका को सम्मानित किया गया। मुकेश शर्मा ने बताया कि कनिका ने रेवाड़ी में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। भौंगरा में चल रही खेल नर्सरी में विक्की कोच से कोचिंग कनिका ले रही है। स्कूल में पहुंचने पर कनिका को सम्मानित किया गया। मुकेश शर्मा ने बताया कि कनिका ने रेवाड़ी में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। भौंगरा में चल रही खेल नर्सरी में विक्की कोच से कोचिंग कनिका ले रही है।ये स्कूल के लिए गर्व की बात है कि स्कूल की छात्रा ने प्रदेशस्तरीय वुशू प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता।

जींद। शिविर के शुभारंभ पर भारतीय सोहम् महामंडल के अध्यक्ष स्वामी सत्यानंद महाराज को शॉल पहनाते हुए रूद्राक्ष मिड्ढा।

278 रोगियों की आंखें जांची

जींद। लायन्स क्लब जींद सिटी द्वारा आंखों के सफेद मोतिया का 54वां निशुल्क ऑपरेशन कैंप सेवा सदन में आयोजित किया गया। शिविर में अखिल भारतीय सोहम महामंडल के अध्यक्ष स्वामी सत्यानंद महाराज का सानिध्य रहा। शिविर के प्रोजेक्ट चेयरमैन लायन अमित गर्ग रहे। कैंप में 278 रोगियों की आंखों की जांच की गई। जिनमें से 118 रोगियों को ऑपरेशन योग्य पाया गया। ऑपरेशन हेतु सभी रोगियों को गुरुग्राम स्थित इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर ले ले जाया जाएगा और ऑपरेशन के पश्चात शनिवार को वापस लाया जाएगा। सभी ऑपरेशन निशुल्क किए जाएंगे। स्वामी सत्यानंद महाराज ने कैंप में अपने संदेश के जरिये बताया कि वैसे तो शरीर के सभी अंग बड़े महत्वपूर्ण है लेकिन आंखों बिना तो हम बिल्कुल भी जीवन की कल्पना नही कर सकते हैं। आंखें हैं तो जहान है। उन्होंने वहां पर उपस्थित सभी लोगों को अपना आशीर्वाद देकर सभी के जीवन की मंगलमय होने की कामना की। मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा युवा नेता रूद्राक्ष मिड्ढा ने कहा कि अगर हमारी आंखें स्वस्थ हैं, तभी हम जीवन का भरपूर आनंद ले सकते हैं।

जींद के सभी क्षय रोगी लिए जाएंगे गोद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। निक्षय मित्रों को प्रोत्साहित करते डा. जेके मान।

जिला उपायुक्त एवं सीएमओ डा. सुमन कोहली के दिशा-निर्देशन में तथा जिला क्षय रोग अधिकारी डा. जेके मान के संचालन में प्रदेश टीबी टीम द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय मित्र योजना व टीबी मरीजों को गोद दिलवाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिला क्षय रोग अधिकारी डा. जेके मान ने स्पष्ट किया कि अस्पताल के पास जितने भी क्षय रोगी उपचाराधीन हैं, सभी को गोद लिया जाएगा। इसके अलावा सयुंक्त रूप से जिला जींद के जनप्रतिनिधियों व विभिन्न सरकारी संस्थाओं के उच्च अधिकारियों से भी इसे लेकर बैठक की गई है। इसके साथ-साथ डा. राकेश संधू प्रोजेक्ट ऑफिसर कार्यालय जिला परिषद द्वारा टीबी के 10 मरीजों को गोद लिया और पोषण किट दी गई जो कि बहुत ही सराहनीय है।

इस कार्यक्रम में डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट डा. अमन सचदेवा, स्टेट अकाउंट ऑफिसर ज्योति शर्मा, स्टेट टेक्नीकल ऑफिसर राकेश सोमल, डीपीपीएमसी कोमल देशवाल, संदीप गोयत व अन्य टीबी स्टाफ भी उपस्थित रहा। डीटीओ जींद, डीपीपीएम, डीपीसी व स्टेट टीम द्वारा चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. रामपाल सैनी, आईएमए प्रधान डा. अनिल जैन, पीएनबी बैंक के एजीएम व चीफ लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर व जनप्रतिनिधियों से मिलकर उन्हें जींद जिले में टीबी के इलाज पर चल रहे 100 प्रतिशत मरीजों को गोद लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जींद। प्रतियोगिता में विजेता रही प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए।

डिक्लेमेशन प्रतियोगिता में अंशुल प्रथम

जींद। राजकीय महिला महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग ने डिक्लेमेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय हरित अर्थव्यवस्था, वैश्वीकरण और असमानता रहा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन आर्थिक एवं सामाजिक मुद्दों पर गहन चिंतन करने हेतु प्रेरित करना तथा उनके वक्तृत्व कौशल का विकास करना था। प्रतिभागियों ने प्रभावशाली प्रस्तुति देते हुए हरित अर्थव्यवस्था की आवश्यकता, वैश्वीकरण के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव तथा समाज में बढ़ती आर्थिक असमानताओं पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने यह भी रेखांकित किया कि सतत विकास तभी संभव है। जब आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय संतुलन भी सुनिश्चित किया जाए। प्रतियोगिता में अंशुल प्रथम, प्रियंका द्वितीय और संजू व अंकिता संयुक्त रूप तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी प्राचार्य नरेंद्र कुमार और संचालन डा. प्रतिभा और अनीता ने किया। निर्णायक मंडल में डा. अमरजीत कौर व प्रीति शामिल रहे।

बारिश से मकान की छत गिरने के चलते आर्थिक सहायता की मांग

नगराधीश ने सुनी आमजन की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। शिकायतें सुनते सीजेएम मोनिका।

वीरवार को उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा के मार्गदर्शन में लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता नगराधीश मोनिका रानी ने की। नगराधीश मोनिका रानी ने बताया कि शिविरों में नागरिकों द्वारा मुख्य रूप से पीपीपी आईडी में त्रुटियोंए राशन कार्डए बिजलीए पेंशन व पुलिस विभाग सहित विभिन्न विषयों से संबंधित समस्याएं सामने आ रही हैं। सभी शिकायतों पर तत्परता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को मौके पर ही समाधान हेतु निर्देश दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्यए शिक्षाए समाज कल्याण पेंशनए बिजली, सिंचाई, राशन कार्ड तथा परिवार पहचान पत्र जैसी जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि किसी को किसी भी प्रकार की समस्या है तो वह समाधान शिविर में आकर अपनी शिकायत दर्ज कराए। जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार सदैव नागरिकों की सेवा व सहायता के लिए तत्पर हैं। शिविर में आए लोगों में गांव रामराय निवासी अनुज ने गली में जलभराव और निकासी की समस्या रखी। गांव पड़ाना के दीपक ने अधिक बारिश से मकान की छत गिरने के चलते आर्थिक सहायता की मांग की। गांव गंगोली निवासी रामरती ने वृद्धावस्था पेंशन बनवाने के लिए अर्जी दी। वहीं जींद निवासी बलजीत ने अपने दिव्यांग पुत्र की पेंशन संबंधी समस्या और अंकुश ने बिजली बिल सुधार से जुड़ी समस्या प्रस्तुत की।

सरकार ने जारी किया ये आदेश

नगराधीश ने बताया कि जिला प्रशासन प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक लघु सचिवालय में जनता की समस्याएं सुनता है और उनके त्वरित निपटारे के लिए प्रयासरत रहता है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में बढ़ती जनभागीदारी सरकार और प्रशासन पर जनता के विश्वास को दर्शाती है। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जींद। प्रतियोगिता में विजेता रही छात्राओं को सम्मानित करते हुए।

रंगोली बनाओ प्रतियोगिता में मानसी प्रथम

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा पोषण माह के अंतर्गत रंगोली बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक पौष्टिक खाओ स्वस्थ रहो रहा। प्रतियोगिता की अध्यक्षता गृह विज्ञान विभाग की इंचार्ज आरती सैनी ने की व कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की प्रध्यापिका तनु रानी के द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में 12 छात्राओं ने भाग लिया और सुंदर-सुंदर रंगोली बना कर पौष्टिक भोजन करें और स्वस्थ रहने की जानकारी दी। जिसमें प्रथम स्थान पर मानसी बीए प्रथम वर्ष की छात्रा रही। द्वितीय स्थान पर वंशिका बीए प्रथम वर्ष, और तृतीय स्थान पर कीर्ति बीए प्रथम वर्ष की छात्रा रही। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका रेखा सैनी और आरती सैनी ने निभाई। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने प्रतियोगिता में बढ़चढ़कर भाग लेने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। सभी विजेता छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।